an>

Title: Need to curb the unethical business of cultured diamonds in the garb of natural diamonds.

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश (सूरत) : माननीय उपाध्यक्ष, मैं अपने क्षेत्र की ऐसी समस्या की ओर आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्Âिात करना चाहती हूं जिसका संबंध देश के व्यापार से जुड़ा हुआ है। मेरा क्षेत्र सूरत हीरा उद्योग के कारण दुनिया भर में प्रसिद्ध है। हर 10 में से 9 हीरों का संबंध सूरत से होता है। आजकल सूरत ही नहीं, पूरे गुजरात एवं मुम्बई में हीरे का व्यापार विकसित हुआ है। उस विस्तार में हीरा व्यवसायियों को सिन्थेटिक डायमण्ड की चिंता सता रही है। पिछले दिनों जब एक व्यापारी के पास हीरे बिक्री हेतु आये और उस पर मेग्नेट घुमाया तो कई हीरे मेग्नेट से चिपक गए। उस घटना के बाद सूरत, मुम्बई, भावनगर, अहमदाबाद के व्यवसायी चिंता में हैं, क्योंकि यह मानव सृजित हीरा कुदरती खदानों से निकले हीरे से तकरीबन आधी या उससे कम लागत वाला होता है परन्तु दिखने में कुदरती हीरे जैसा ही है। इसकी परख सामान्य आदमी, छोटे व्यापारी या दलालों को नहीं होती। यदि इन नकली हीरों का बड़ी मात्रा में उत्पादन हुआ तो यह कीमत और भी कम हो सकती है। मुम्बई के बांद्रा-कूला कॉम्पलेक्स के व्यवसायी भी इस नकली हीरे से परेशान हैं। अगर नकली हीरा पहचानने की मशीन ली जाए तो उसकी लागत 80 लाख रुपये है जो सामान्य कारीगर या व्यापारी की क्षमता से परे है। वह भी फूलप्रूफ हो, इस पर शंका है। जिस तरह से देश में मछली के माध्यम से निकलने वाला सच्चे मोती का व्यापार कल्चर माता के आने से टूट गया, मुझे डर है कि कहीं कल्चर हीरे के आने से इस व्यवसाय की भी हालत ऐसी ना हो। डायमंड एसोसियेशन इस संबंध में चिंतित है। 11 लोगों की कमेटी बनी है जो इस विÂाय पर सक्रिय है पर उनको अगर सरकार भी मदद करे, जैसे देश में जिन रास्तों से इन नकली हीरों का प्रवेश होता है, उन्हें रोकने हेतु उचित कदम उठाये जाएं। साथ ही इस प्रकार से नकली हीरों को असली कहकर बेचने वालों पर सख्त कदम उठाए जाएं, यह आज की मांग है, क्योंकि इस व्यवसाय में अकेले गुजरात में ही 10 से 15 लाख परिवारों को गुजारा हो रहा है और यह व्यवसाय करोड़ों लोगों की रोजगारी का माध्यम है।

ऐसा कहा जाता है कि विश्व में हीरा मार्केट से जेम एण्ड ज्वैलरी की जो कुल निकासी हुई है, उसमें अंदाजित 3.50 लाख कैरेट यह सिन्थेटिक डायमण्ड था। यदि सिर्फ मेरे मतक्षेत्र सूरत की बात की जाए तो पिछले साल अंदाजित पांच हजार करोड़ के सिन्थेटिक डायमण्ड का मिक्सिंग असली हीरों के साथ किया गया होने का अन्दाजा लगाया जा रहा है। इन आंकड़ों से इस विÂाय की गम्भीरता स्पÂट हो रही है। सबसे बड़ी नुकसान कारक बात विश्वसनीयता के खत्म होने की होगी, क्योंकि हमारे यहां जो हीरा का बाजार रोजाना लगता है, उसमें प्रतिदिन लाखों करोड़ों का व्यापार सिर्फ एक दूजे के विश्वास से ही होता है। सिन्थेटिक हीरा बेचना गुनाह नहीं, पर असली के साथ मिलाना या असली हीरा कहकर बेचना यह अपराध है। आज यह अपराध बड़े पैमाने पर हो रहा है। जिससे पूरे गुजरात एवं मुम्बई में करोड़ों लोगों से जुड़ा हुआ देश को विदेश मुद्रा बड़ी मात्रा में दिलाने वाला विश्वास पर चलने वाला व्यवसाय चिंता में है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस अपराध को रोकने हेतु कड़े कदम उठाए जाएं, साथ ही अमेरिका, हांगकांग जैसी जगहों से देश में आने वाले हीरों पर निगरानी बढ़ायी जाए। ...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY-SPEAKER: I will allow him after completing matters under Rule 377.

...(*Interruptions*)